THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL) : (a) to (c) During July to December, 1988, there were 12 accidents to Indian registered aircraft involving two aircrafts of Indian Airlines, three of Vayudoot, three helicopters and four belonging to private operators/flying clubs/State Governments etc. These accidents are under investigations.

(d) and (e) While delays and cancellations are not direct result of accidents, due to number of accidents/incidents that have taken place in the recent past, Indian Airlines aircraft capacity has been severly reduced. This has resulted in inability to have adequate cushioning and which has resulted in delays and the decision to reduce and withdraw service from various parts of the country.

(f) Upgradation of navigational and other aids at other airports is continuous process and is being taken up in a phased manner.

Indian Airlines has taken the following steps to improve punctuality :—

(i) Overall untilisation of Boeing aircraft has been reduced so as to provide stand by capacity at base stations.

(ii) Additional aircraft have been leased from various sources.

(iii) Punctuality of flights has been constantly monitored at various levels.

भारत में मानव अधिकारों के संबंध में अमरीका के विदेश विभाग की रिपोर्ट

846. **विश्वासराव रामराव पाटिल** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को अमरीका के विदेश विभाग द्वारा दी गई ऐसी रिपोर्ट की जानकारी है, जिसमें कहा गया है कि भारत में मानव अधिकारों की रक्षा नहीं की जाती ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) और (ख) सरकार ने मानवाधिकारों पर अमरीकी विदेश विभाग की रिपोर्ट का भारत से सम्बद्ध अंश देखा है । हालांकि इस रिपोर्ट में कतिपय पहलुओं के सम्बन्ध में भारत की आलोचना की गई है, लेकिन इसमें यह भी कहा गया है कि : "भारत में मूलत: लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है और व्यक्तियों को मजबूत तथा कानूनी रूप से स्वीकृत रक्षोपाय प्राप्त है और भारत में स्वतंत्र सशक्त प्रेस है । " उक्त रिपोर्ट को तैयार करने के संबंध में सरकार से परामर्श नहीं किया गया है और सरकार यह स्वीकार नहीं करती कि उक्त रिपोर्ट के सभी निष्कर्ष सही हैं ।

संसद सदस्यों के पत्रों के उत्तर

847. **श्री संतोष बागड़ोदिया** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में संसद सदस्यों से प्राप्त उन पत्रों की संख्या क्या है, जो तीन महीने, तीन से छ: महीने, छ: से नौ महीने, नो से बारह महीने, और एक वर्ष से भी अधिक समय से लम्बित पड़े हैं ; और

(ख) इसके क्या कारण , और इन पत्रों के उत्तर शीघ्र देने के लिए क्या कदम उठाए गए है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिव राज पाटिल) : (क) इस मंत्रालय में संसद सदस्यों से प्राप्त पत्रों और तीन महीनों से अधिक समय से लम्बित पड़े पत्रों की संख्या केवल